पाठ 11

मड़ई–मेला

ककवा	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुसकुल

आज हमर गाँव मा मड़ई मेला हे। बुधिया सुकवारो अउ संगीता आज बिहनिया ले मेला मा जाये बर तियार हवयँ। चैतू , मंगल अउ समारू घलो तेल कंघी करके तियार हें। सबो लइका, खाना खा के मेला देखे बर निकल गिन।

ओमन मेला तिर पहुँचिन, तभे ओमन ला रहचुँली के आवाज सुनाई दे लागिस। लकर–लकर रेंग के सबोझन मेला में पहुँच गिन। सबो झन झूलना के तिर मा जा के जुरिया गें। जइसने झूलना रुकिस सबो लइका मन बइठे बर कूद दीन। बइठे के बाद झूलना सुरू होइस। लइकामन खुसी के मारे चिल्लाय लगिन। समारू हा अब्बड़ डर्रावत रहिस। ओहा अपन मुँहू लुका ले रहिस।

सब्बोझन झूलना झूलके आघू चल दीन। अतकेच मा दफड़ा, निशान अउ मोहरी बाजा के अवाज सुनाई दे लगिस। सब्बो कोती खुसी के मारे हल्ला होय लगिस – ''मड़ई आ गे मंडई आ गे। ''

सुग्घर रंग–बिरंगा कपड़ा अउ फूल–मालामन ले सजे राउतमन के झुण्ड दिखे लागिस। सब्बो झन बाजा के धुन मा नाचत आगू बढ़त रहिन।

राउतमन के मुखिया के हाथ मा मड़ई रहिस। राउत मन एला गाँव ले परघाके मेला मा लाने रहिन। मड़ई ला मेला मा गड़िया के मनखे मन ओकर पूजा करत रहिन। राउत मन के नाचा हा बाजा–गाजा संग चलत रहिस। अब मेला पूरा भरा गे रहिस।

पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मेला में किसम–किसम के दुकान रहिस। रंग–बिरंगा फुग्गा के मारे मेला में बहार आगे रहिस। लइकामन गुलगुला भजिया, मुर्रा, लाड़ू, करी लाड़ू बिसा के खावत–खावत घूमत रहिन। सुकवारो हा जलेबी खाईस। समारू हा बड़ेजान कुसियार बिसा के लाईस। कुसियार ला कुटका–कुटका करके सबझन कुसियार ला चुहकत रहिन।

सब्बो लइका खेलौना के दुकान मा पहुँच गिन। सुकवारो हा जिहाज, संगीता हा पुतरी अउ बुधिया हा रेलगाड़ी बिसाइस। चैतू हा मंजूर, मंगल हा कार अउ समारू हा एकठन बड़ेजान बॉल लिस। सब्बो लइकामन घूम–घूम के सामान बिसावत रहिन। आखरी में सबोझन किसिम–किसिम के फुग्गा बिसाइन। सब लइकामन एक जघा सकलाय के बाद वापिस घर जाय डहर चल परिन। वो मन बहुत खुस लगत रहिन।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाला शब्द के अउ लिखावट के अभ्यास करावत। मुसकुल शब्दमन के अर्थ ओखर भाषा में बतावत। प्रश्नमन के अभ्यास जिहां के तिहां सीस म करावव। लइकामन ल उतार–चढ़ाव के संग पढ़े बर सिखावव।

शब्दार्थ

तीर	=	करीब	पोशाक	=	पहिरे के कपड़ा
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	एक जघा जमा होना
रहचुली	=	एक प्रकार के झूला			
परघाके	=	स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली के जैइसन एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार के बाजा			
मोहरी बाजा	=	शहनाई के जैइसन बाजा			

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

अभ्यास

1. खाल्हे लिखाय सब्द मन के अर्थ अपन भाषा मा बतावव –

करीब , पोशाक , एकत्र , मुश्किल , रहचुँली

2. खाल्हे लिखाय प्रश्न मन के उत्तर बतावव –

(क) रहचुँली काला कइथे ?

(ख) राउतमन के मुखिया के हाथ मा का रहिस ?

(ग) मेला मा सबझन काखर पूजा करत रहिन ?

(घ) राउतमन के कपड़ा कइसे रहिस ?

(ङ) लइकामन मेला मा काय–काय खइन ?

3. खाल्हे मा लिखाय जिनिस मन कोन रंग के रइथे ? लिखव –

(क) पाका पताल	–	लाल
(ख) श्यामपट्ट	–	....
(ग) लीम के पाना	–	....
(घ) मुरई	–	....
(ङ) सूरजमुखी के फूल	–	....

4. खेलौना के ये दुकान ले तुमन काय–काय बिसाहू ?

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

ड. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क. पका टमाटर लाल

ख. श्यामपट ....

ग. नीम के पत्ते ....

घ. मूली ....

ङ सूरजमुखी का फूल ....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

——————————————————————————————

——————————————————————————————

5. तुमन मड़ई मेला मा का–का देखेव ? लिखव

——————————————————————————————

——————————————————————————————

6. तुहर गाँव मा मड़ई मेला कब भराथे ? ओमा तुमन का–का करथो

——————————————————————————————

——————————————————————————————

7. सब्द मन के रेल –

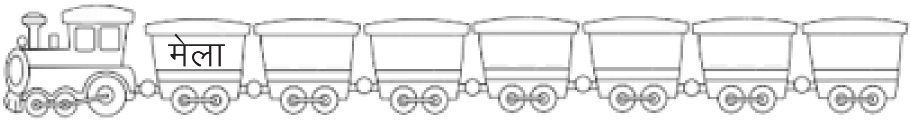

8. " में " या " तैं " लगाके वाक्य ला पूरा करव –

(क) .... रायपुर जावत हों ।

(ख) .... नहावत हस ।

(ग) .... पढ़त हव।

(घ) .... रायपुर जावव।

(ड) .... कहाँ जावत हस ?

9. तैं मेला मा जातेस त काय–काय बिसातेस ?

10. गतिविधि :–

1. पुट्ठा, कागज अउ माचिस के खाली खोखा ले रहँचुली बनावव।
2. अपन गाँव या शहर के मेला के फोटू कॉपी मा बनावव।
3. मड़ई, मेला मा घुमे के अपन अनुभव ला सुनावत।

—————————————————————————

—————————————————————————

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

—————————————————————————

—————————————————————————

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

—————————————————————————

—————————————————————————

6. शब्दों की रेल –

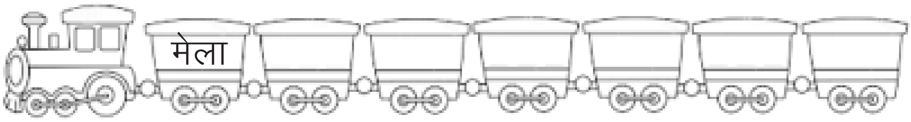

7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ——— रायपुर जा रहा हूँ।
ख. ——— नहा रहे हो।
ग. ——— पढ़ रहा हूँ।
घ. ——— रायपुर जाओ।
ङ ——— कहाँ जा रहे हो?

8. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबियों से रहँचुली बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA